यूरेशियन विम्ब्रेल

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में **छत्तीसगढ़ राज्य में** ग्लोबल पोज़िशनिंग सिस्टम (GPS) **ट्रांसमीटर** से टैग किये गए एक प्रवासी पक्षी 'यूरेशियन या कॉमन विम्ब्रेल' को पहली बार कैमरे में रिकॉर्ड किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- पक्षी विज्ञानियों और राज्य वन अधिकारियों के अनुसार, प्रवासी पक्षी लंबी दूरी से प्रवास करते हुए छत्तीसगढ़ में देखे गए, क्योंकि रायपुर से **लगभग 70 किलोमीटर दूर बेमेतरा ज़िले** के बेरला क्षेत्र में आर्द्रभूमि मौजूद है।
- भारत में यह पहली बार है कि इस तरह के जीपीएस-टैग वाले पक्षी को देखा गया।
- वनस्पति के नुकसान और अतिक्रमण का सामना कर रहे ऐसे **जलीय जैवविविधता वाले आवास तथा आर्द्रभूमि को बहाल** करने की अधिक आवश्यकता है।

यूरेशियन विम्ब्रेल

[//](#)

- [illegible]
- [illegible]: [illegible]
- **क्षेत्र:**
    - यह **पाँच महाद्वीपों में फैले हुए** हैं: उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और यूरोप।
    - वे गर्मियों के महीनों में **साइबेरिया और अलास्का के उप-आर्कटिक क्षेत्रों में प्रजनन** करते हैं तथा फिर **दक्षिणी अमेरिका, मध्य अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका एवं नेपाल सहित दक्षिण एशिया** के शीतकालीन क्षेत्रों में प्रवास करते हैं।
- **आवास:** शीतकाल में मुख्यतः समुद्र तट, आर्द्रभूमि, मैंग्रोव, दलदली भूमि और बड़ी नदियों के तट पर निवास करते हैं।
- **विशेषताएँ:**
    - यह काफी बड़ा भूरा-भूरा पक्षी है, जिसकी लंबी घुमावदार चोंच होती है।
    - इसके सिर की संरचना अलग है, जिसमें गहरे रंग की धारीदार आँखें हैं।
    - यह ऊपर से **गहरे भूरे रंग का और नीचे से हल्का पीला** होता है तथा **गले एवं छाती पर बहुत अधिक भूरे रंग की धारियाँ** होती हैं।
    - विम्ब्रेल अपनी **ऊँची आवाज़ के लिये जाने जाते हैं, जिसमें सात स्वरों** की एक दोहरावदार शृंखला होती है।
- **संरक्षण की स्थिति:**
    - **IUCN रेड लिस्ट**: बहुत कम संकट (Least Concern)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/eurasian-whimbrel